स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा (आनर्स) प्रथम वर्ष पत्र –1
मध्यकालीन काव्य
(भक्ति एवं रीतिकाव्य)

निर्देशः–प्रत्येक इकाई से कुल मिलाकर किन्हीं तीन प्रश्नों एवं तीन व्याख्याओं के उत्तर देने हैं।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें– काव्य– कलश– सं० देवदत्त राय

पाठ्यांशः

1. कबीर–
   1. दुलहनी गावहु मंगलचार 2. मन लागा राम फकीरी में 3. एक अचम्भा देखा रे भाई 4. संतौं भाई आई ग्यान की आँधी रे 5. झीनी–झीनी बीनी चदरिया 6. माया महा ठगिनी हम जानी 7. संतों ई मुरदन के गाऊँ 8. मन न रंगाए, रंगाए जोगी कपरा 9. राम सुमिरि पछताएगा 10. घूँघट का पट खोले रे 11. हरि बिनु बैल बिराने होइहैं 12. रस गगन में अजर झरै 13. अब मन जागत रहु रे भाई।
2. जायसीः पद्मावत का 'मानसरोदक' खण्ड।
3. तुलसीदास :रामचरितमानस का 'उत्तरकाण्ड' दोहा–संख्या 115 से 130 तक।
4. मीराबाई–
   1. मेरे तो गिरिधर गोपाल 2. हे री मैं तो दरद दिवानी 3. बसो मेरे नैनन में नंदलाल 4. फागुन के दिन चार 5. मतवारो बादल आयों रे 6. आली रे मेरे नयनन बान परी 7. पग घुंघरु बांध मीरा नाची रे 8. सिरी गिरिधर आगे नाचूंगी 9. सुनि हौं मैं हरि आवन की आवाज 10. दास बिन दुखन लागे नैन 11. माई मैं लियो रमैया मोल।
5. बिहारी :
   1. सीस मुकुट कटि काछनी 2. भृकुटी मटकनि पीत पट 3. जिन दिन देखे वे कुसुम 4. चटक न छाँड्तु घटत 5. कनक–कनक ते सौ गुनी 6. को छूटियों एहि जाल परि 7. समय–समय सुंदर सबै 8. जौ चाहत चटक न घटै 9. संगति सुमति न पावहि 10. दीरघ साँस लेहि दुःख 11. एहि असा अटक्यो रहत 12. स्वारथ सुकृत न श्रम बृथा 13. इन दुखिया अँखियान कौं 14. जब–जब वे सुधि कीजिए 15. छिपयो छबीली मुख लसै 16. जप माला छापा तिलक 17. यही बिरिया नहिं और की 18. भजन कह्यो ताँतैं भज्यों 19. अधर धरत हरि कै परत 20. कर समेटि कच भुज उलट 21. करौ कुबत जगु कुटिलता।

अथवा

मध्यकालीन हिन्दी काव्य– सं० डॉ० चंदू लाल दूबे, प्र० पूर्णिमा प्रकाशन, धारवाड़

1.कबीर (कुल 5 पद) – जानहु रे नर सोबहु कहा, हरि मोरा पिउ, एक निरंजन अलह मेरा, काहे रे नलिनी, चलन–चलन सबको कहत है।

हिन्दी प्रतिष्ठा प्रथम खंड
प्रथम पत्र

समय –3 घंटे **पूर्णांक– 80**

अंको का विभाजनः–

क– आलोचनात्मक प्रश्न	– 3X12 =36 अंक	
ख– व्याख्यात्मक प्रश्न	– 3X08 =24 अंक	
ग– वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 20X01=20 अंक	
	कुल अंक – 80	

नोट– यू० जी० सी० के निर्देशानुसार 20 अंक साक्षात्कार (मौखिकी) के लिए निर्धारित किए गये हैं।

2.जायसी – पद्मावत – केवल गोरा बादल खंड

3.सूर – अविगत गति कछु कहत न आवै, अब हौं नाच्यौ बहुत
गुपाल, जसोदा हरिपालने झुलावै, बूझत स्याम कौन तू
गौरी, चरन कमल बंदौ, मधुबन तुम कत रहत हरे

4.तुलसीदास – रामचरित मानस – अयोध्याकांड – (राम वन गमन प्रसंग)

5.बिहारी – भक्ति परक दोहे–श्रृंगार परक दोहे

आलोचनात्मक प्रश्न के लिए निम्नांकित इकाइयों में अध्ययन अपेक्षित है–

इकाई 1 – (क) भक्ति आंदोलन की पूर्व पीठिका
(ख) हिन्दी भक्ति काव्य का विकास
(ग) भक्ति काव्य की विविध धाराएँ

इकाई 2 – कबीर
(क) कबीर की रचनाएँ
(ख) कबीर की सामाजिकता
(ग) कबीर की दार्शनिकता

इकाई 3 –जायसी
(क) जायसी का काव्य परिचय
(ख) पद्मावत में सूफी तत्व
(ग) मानसरोवर/गोरा बादल खंड का काव्य सौंदर्य

इकाई 4 – सूरदास
(क) सूर की रचनाएँ
(ख) सूर का वात्सल्य वर्णन एवं सख्य भाव
(ग) सूर की काव्य–कला

इकाई 5 – तुलसीदास
(क) तुलसीदास की रचनाओं का परिचय
(ख) रामचरितमानस की महत्ता
(ग) अयोध्याकांड 'मानस' की हृदयस्थली

इकाई 6 – बिहारी

(क) रीति सिद्ध कवि के रूप में बिहारी

(ख) बिहारी का श्रृंगार–वर्णन

(ग) बिहारी की काव्य कला

हिन्दी प्रतिष्ठा खंड– 1
द्वितीय पत्र

समय –3 घंटे **पूर्णांक– 80**

अंको का विभाजन

क– आलोचनात्मक प्रश्न	– 3X12 =36 अंक
ख– व्याख्यात्मक प्रश्न	– 3X08 =24 अंक
ग– वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 20X01=20 अंक
	कुल अंक – 80

नोट– यू० जी० सी० के निर्देशानुसार 20 अंक साक्षात्कार (मौखिकी) के लिए निर्धारित किए गये हैं।

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा प्रथम वर्ष
पत्र – 2
(गद्य विधाएं)
(कथा साहित्य, नाटक एवं निबंध)

पाठ्यांश –

उपन्यास – 1. चित्रलेखा – भगवती चरण शर्मा

अथवा

2. जुलूस – फणीश्वरनाथ रेणु

नाटक – चन्द्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद

गद्य तरंग – सं० डॉ० सुनील कुमार

कहानी – सद्गति, कानों में कँगना, शरणदाता, मलबे का मालिक, चीफ की दावत

निबंध – हंस का नीर – क्षीर विवेक, आचरण की सभ्यता, तुम चंदन हम पानी

आलोचनात्मक प्रश्न –

इकाई – 1

क. हिन्दी गद्य विधाओं का विकास

ख. हिन्दी कहानी की संक्षिप्त रूपरेखा

ग. हिन्दी निबंध का सामान्य परिचय

घ. हिन्दी उपन्यास की संक्षिप्त रूपरेखा

इकाई – 2

चित्रलेखा– (क) कथावस्तु (ख) चरित्र चित्रण (ग) उद्देश्य (घ) भाषा शिल्प

जुलूस – (क) कथावस्तु (ख) चरित्र चित्रण (ग) उद्येश्य (घ) भाषा शिल्प

इकाई 3 – चन्द्रगुप्त – (क) वस्तु (ख) अभिनेयता (ग) रस

इकाई 4 – पठित निबंधों एवं कहानियों का कलात्मक वैशिष्ट्य

स्नातक प्रतिष्ठा खंड– ॥

पत्र– तीन

समय –3 घंटे **पूर्णांक– 80**

अंको का विभाजन

क– आलोचनात्मक प्रश्न – 3X12 =36 अंक

ख– व्याख्यात्मक प्रश्न – 3X08 =24 अंक

ग– वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 20X01=20 अंक

कुल अंक – 80

नोट– यू० जी० सी० के निर्देशानुसार 20 अंक साक्षात्कार (मौखिकी) के लिए निर्धारित किए गये हैं।

स्नातक खण्ड– दो (द्वितीय वर्ष)
पत्र – 3
आधुनिक काव्य
वर्ग – 'ख'

पाठ्यग्रंथ :–

लहर – जयशंकर प्रसाद (मेरे नाविक, तुमुल कोलाहल, बीती बिभातरी, पेशोला की प्रतिध्वनि)

संध्या – सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला – बादल राग –6, स्नेह निर्झर बह गया है, सुंदरी, तोडती पत्थर, राजे ने रखवाली की

तारापथ – सुमित्रानंदन पंत – मोह, प्रथम रश्मि, भारतमाता – ग्रामवासिनी

संधिनी – महादेवी – धीरे–धीरे उत्तर क्षितिज से, मैं नीरभरी दुःख की बदली, मधुर–मधुर मेरे दीपक जल, बीन भी हूं मैं तुम्हारी रागिनी भी हूं।

वर्ग – 'ख'

काव्य कल्प – सं० डॉ० बदरीनारायण सिंह

पाठ्यांश

1. रामधारी सिंह दिनकर – परदेशी चाँद और कवि बापू हिमालय का संदेश कलम और तलवार
2. हरिवंश राय बच्चन – मधुशाला क्या करू संवेदना लेकर तुम्हारी हलाहल, आओ हम पथ से हट जाएँ, मैं सुख पर सुखमा पर रीझा।
3. स० ही० वा० 'अज्ञेय'– हमारा देश, यह इतनी बड़ी अनजानी दुनिया, पानी बरसा, साँप के प्रति, आँगन के पार।
4. धर्मवीर भारती – टूटा पहिया, कविता की मौत, नया रस, साँझ का बादल, फूल, मोमबत्तियाँ सपने।
5. भवानी प्रसाद मिश्र – गीत–फरोश, फूल कमल के, स्नेह–शपथ, असुंदर से गाँठ, रक्त–क्षण।
6. धूमिल – गाँव में कीर्तन, खेबली, भूख, बीस साल बाद, मकान।

अथवा

पाठ्यग्रंथ – प्रगतिशील–काव्य धाार–सं० डॉ० भरत सिंह

पाठ्यांश

माखन लाल चतुर्वेदी – कैदी और कोकिला, पुष्प की अभिलाषा, उलाहना।

रामधारी सिंह दिनकर – हिमालय, दिल्ली, वन फूलों की ओर।

केदार नाथ अग्रवाल – मैंने उसको, मुझे नदी से बहुत प्यार है, चंद्रगहना से लौटती वेर।

नागार्जुन – मास्टर, यह दंतुरित मुस्कान, अकाल और उसके बाद।

अज्ञेय – नदी के द्वीप, कलगी बाजरे की, दूर्वादल

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, द्वितीय वर्ष
पत्र – 4
(हिन्दी साहित्य का इतिहास)

इकाई – 1. हिन्दी साहित्य का कालविभाजन और नामकरण

इकाई – 2. आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृतियाँ एवं रचनाकार

इकाई – 3. आधुनिक काल की पृष्ठभूमि – भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत

इकाई – 4. हिन्दी गद्य की विविध विधाएँ – कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, आलोचना

इकाई – 5. हिन्दी गद्य की नवीन स्वरूप – रिपोर्ताज, संस्मरण, रेखा–चित्र शब्द चित्र, डायरी–लेखन, यात्रा–साहित्य

अंको का विभाजन

समय –3 घंटे **पूर्णांक– 80**

क– आलोचनात्मक प्रश्न – 3X12 =36 अंक

ख– व्याख्यात्मक प्रश्न – 3X08 =24 अंक

ग– वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 20X01=20 अंक

कुल अंक – 80

नोट– यू० जी० सी० के निर्देशानुसार 20 अंक साक्षात्कार (मौखिकी) के लिए निर्धारित किए गये हैं।

स्नातक खण्ड– III
पत्र – 5
(भाषा विज्ञान)
वर्ग – 'क'

पाठ्यांश :–

इकाई – 1. भाषा की परीभाषा, विशेषताएँ, भाषा–बोली

इकाई – 2. भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान की उपयोगिता, ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध

इकाई – 3. भाषा विज्ञान के विभिन्न अंगों का परीचयात्मक अध्ययन (ध्वनि, शब्द, वाक्य और अर्थ विज्ञान)

इकाई – 4.हिन्दी की शब्द–संपदा–शब्द कोटियाँ – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया विशेषण, व्याकरणिक कोटियाँ – लिंग, वचन, काल, कारक

वर्ग – 'ख'

इकाई – 5. हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास, आर्य भाषाओं का परिचय

इकाई – 6. राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी। हिन्दी का वर्तमान राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप

अंको का विभाजन

समय –3 घंटे **पूर्णांक– 80**

क– आलोचनात्मक प्रश्न	– 3X12 =36 अंक
ख– लघु उत्तरीय प्रश्न	– 3X08 =24 अंक
ग– वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 20X01=20 अंक
	कुल अंक – 80

नोट– यू० जी० सी० के निर्देशानुसार 20 अंक साक्षात्कार (मौखिकी) के लिए निर्धारित किए गये हैं।

स्नातक खण्ड– III
स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, तृतीय वर्ष
पत्र – 6
(भारतीय काव्यशास्त्र और भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य–सिद्धांत)

इकाई – 1. काव्य–लक्षण, काव्य हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य के प्रकार, शब्द–शक्तियाँ

इकाई – 2. रस, अलंकार, रीति, ध्वनि और वक्रोक्ति सिद्धांतो का सामान्य परिचय

इकाई – 3. अलंकार और छंद – अलंकार – रूपक, उपमा, अनन्वय, दृश्टांत, विभावना, विरोधाभास, असंगति, अतिशयोक्ति, संदेह, भ्रांतिमान, छंद – दोहा, चौपाई, सोरठा, कवित्त, सवैया, छप्पय, मंदाक्रांता, द्रुतविलंबित, इंद्रवज्रा, शिखरिणी, कुंडलिया

इकाई – 4. पाश्चात्य आलोचक – प्लेटो, अरस्तू, मैथ्यू आर्नल्ड, आई० ए० रिचर्ड्स के साहित्य सिद्धांतो का सामान्य परिचय

इकाई – 5. भारती समीक्षक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ० नंददुलारे वाजपेयी, डॉ० लक्ष्मीनारायण सुधांशु, डॉ० राविलास शर्मा, डॉ० नामवर सिंह, आचार्य नलिनविलोचन शर्मा

अंको का विभाजन

समय –3 घंटे **पूर्णांक– 80**

क– आलोचनात्मक प्रश्न	– 3X12 =36 अंक
ख– लघु उत्तरीय प्रश्न	– 3X08 =24 अंक
ग– वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 20X01=20 अंक
	कुल अंक – 80

नोट– यू० जी० सी० के निर्देशानुसार 20 अंक साक्षात्कार (मौखिकी) के लिए निर्धारित किए गये हैं।

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, तृतीय वर्ष
पत्र – 7
प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई – 1.

1 प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप एवं उद्देश्य

2 सर्जनात्मक और प्रयोजनमूलक साहित्य का अंतर

3 हिन्दी भाषा की व्यापकता

इकाई – 2.

1 हिन्दी की विविध शैलियाँ

2 प्रयुक्ति के संदर्भ में प्रयोजनमूलक हिन्दी

3 पारिभाषिक शब्दावली एवं उसके निर्मान के सिद्धांत

इकाई – 3.

1 प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रकार एवं लक्षण

2 कार्यालयी हिन्दी : प्रयोग एवं भाषाई लक्षण

3 व्यावसायिक हिन्दी : प्रयोग एवं भाषाई लक्षण

इकाई – 4.

1 अनुवाद का अर्थ एवं प्रक्रिया

2 अनुवाद में हिन्दी का प्रयोग

3 अनुवाद के विविध प्रकार

इकाई – 5.

1 पत्रकारिता की परिभाषा एवं प्रक्रिया

2 पत्रकारिता में हिन्दी का प्रयोग

3 पत्रकारिता में प्रयुक्त तकनीकी शब्द

अंको का विभाजन

समय –3 घंटे **पूर्णांक– 80**

क– आलोचनात्मक प्रश्न	– 3X12 =36 अंक
ख– लघु उत्तरीय प्रश्न	– 3X08 =24 अंक
ग– वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 20X01=20 अंक
	कुल अंक – 80

नोट– यू० जी० सी० के निर्देशानुसार 20 अंक साक्षात्कार (मौखिकी) के लिए निर्धारित किए गये हैं।

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, तृतीय वर्ष
पत्र – 8
(विशेष अध्ययन)
हिन्दी पत्रकारिता

पाठ्यांश–

इकाई –1.

1 पत्रकारिता की परिभाषा और उद्देश्य
2 भारतेन्दु युगीन हिन्दी पत्रकारिता
3 स्वतंत्रता संघर्ष और हिन्दी पत्रकारिता
4 स्वातंत्रयोत्तर पत्रकारिता

इकाई – 2.

1 समाचार का तात्पर्य
2 समाचार के विविध स्रोत
3 संपादन कला के सिद्धांत

इकाई – 3.

1 साक्षात्कार के प्रकार
2 शीर्षक का महत्व और प्रकार
3 फीचर लेखन और उसका उद्देश्य

इकाई – 4.

1 संपादकीय टिप्पणियाँ
2 अग्रलेख
3 स्तंभ लेखन

इकाई – 5.

1 मुद्रण कला का सामान्य ज्ञान
2 प्रूफ रीडिंग
3 मेकअप और पृष्ठ संरचना

अंको का विभाजन

समय –3 घंटे **पूर्णांक– 80**

क– आलोचनात्मक प्रश्न	– 3X12 =36 अंक
ख– लघु उत्तरीय प्रश्न	– 3X08 =24 अंक
ग– वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 20X01=20 अंक
	कुल अंक – 80

नोट– यू० जी० सी० के निर्देशानुसार 20 अंक साक्षात्कार (मौखिकी) के लिए निर्धारित किए गये हैं।

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, तृतीय वर्ष
विशेष अध्ययन
पत्र – 8
दलित साहित्य और स्त्री विर्मश

पाठ्यांश –

उपन्यास – (क) धरती धन न अपना – जगदीशचंद्र
(ख) मित्रों मरजानी – कृष्णा सोबती

कहानियां – (क) ठाकुर का कुआँ – प्रेमचंद, शवयात्रा– ओमप्रकाश
(ख) वाल्मीकि, बदबू – सूरजपाल चौहान
(ग) अंतिम आदमी – हरीवंश नारायण

आत्मकथा– (क) अपने–अपने पिंजरे – मोहनदास नैमिशारण्य
चिंतन – (क) श्रृंखला की कड़ियाँ – महादेवी वर्मा

इकाई – 1.

1 दलित साहित्य का वैचारिक आधार
2 जाति व्यवस्था एवं छुआछूत
3 आधुनिक भारत में दलित

इकाई – 2 – स्त्री–विमर्श

1 पुरूष प्रधान समाज और स्त्री
2 आधुनिक भारत में स्त्री
3 स्त्रीवाद की अवधारणा एवं स्त्री–आंदोलन

इकाई – 3.

1 धरती धन न अपना – कथावस्तु, चरित्र–चित्रण, दलित जीवन की त्रासदी
2 अंतिम आदमी – कथावस्तु, उद्देश्य
3 मित्रो मरजानी – कथावस्तु, मित्रो का चरित्रांकन, स्त्री–मुक्ति के रास्ते की पहचान

इकाई – 4.

1 पठित कहानियों में दलित जीवन चित्र
2 अपने–अपने पिंजरे की कथावस्तु, समाज का यथार्थ
3 आत्मवृत

इकाई – 5 – श्रृंखला की कड़ियाँ

1 स्त्रीमुक्ति का प्रथम दस्तावेज
2 स्त्री मुक्ति का स्वप्न
3 बंधनों की पहचान

समय –3 घंटे **पूर्णांक– 80**

अंको का विभाजन

क– आलोचनात्मक प्रश्न – 3X12 =36 अंक
ख– लघु उत्तरीय प्रश्न – 3X08 =24 अंक
ग– वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 20X01=20 अंक
कुल अंक – 80

नोट– यू० जी० सी० के निर्देशानुसार 20 अंक साक्षात्कार (मौखिकी) के लिए निर्धारित किए गये हैं।

खंड III
विशेष अध्ययन
स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, तृतीय वर्ष
पत्र – 8
(सगुण भक्ति काव्य)

पाठ्यांश –

1. भ्रमरगीत सार – सूरदास (सं० आचार्य रामचंद्र शुक्ल) पद सं० 6, 9, 10, 108, 109, 114, 116, 125, 130, 134 (कुल 10 पद)
2. कवितावली – तुलसीदास – (गीताप्रेस, गोरखपुर) अयोध्याकांड –1, 2, 5, 6, 7, 8, 11, 18, 20, (कुल 9 पद)
3. मीरा – मीराबाई की पदावली, सं० आचार्य परशुराम चतुर्वेदी – पद सं०– 50 से 54 (कुल 5 पद)
4. रसखान – सं० रसखान रचनावली, विद्याानिवास मिश्र, पद सं०– 1, 2, 3, 31, 32, 35, 122, 125 – कुल 8 छंद
5. रहीम –

दोहे – (क) ये रहीम दर–दर फिरे
(ख) जैसे तुम हमको करी
(ग) अनुचित वचन न मानिए
(घ) जो गरीब परिहित करे
(ड़) चित्रकूट में रमि रहै

बरवै – (क) कासन कहै सँदेसवा
(ख) बहुत दिना पर पियवा
(ग) लैके सुघर सुरूपिया

इकाई – 1.

1 सूरदा की कविता के आधार–स्रोत
2 भ्रमरगीत का दार्शनिक पक्ष
3 सूर की काव्यभाषा

इकाई – 2.

1 तुलसीदास का लोकमंगल
2 दर्शन एवं भक्ति
3 काव्यभाषा – शैली

इकाई – 3.

1 मीरा की कृष्णभक्ति
2 प्रेम का स्वरूप
3 गेयता एवं भाषा–शैली

इकाई – 4.

1. कृष्ण भक्ति–परंपरा और रसखान
2. ब्रजभूमि का वर्णन
3. काव्यभाषा एवं काव्य–रूप

इकाई – 5.

1. रहीम का काव्य
2. नायक – नायिका भेद
3. नीतिपरक दोहे

अंको का विभाजन

समय –3 घंटे **पूर्णांक– 80**

क– आलोचनात्मक प्रश्न – 3X12 =36 अंक
ख– व्याख्यात्मक प्रश्न – 3X08 =24 अंक
ग– वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 20X01=20 अंक

कुल अंक – 80

नोट– यू० जी० सी० के निर्देशानुसार 20 अंक साक्षात्कार (मौखिकी) के लिए निर्धारित किए गये हैं।

खंड III
अष्टम पत्र
विशेष अध्ययन
लोक – साहित्य

पाठ्यांश –

लोक और लोकवार्ता, लोकवार्ता और लोक विज्ञान, लोक संस्कृति : लोक अवधारणा, लोक संस्कृति और साहित्य, भारत में लोकसाहित्य के अध्ययन की परंपरा, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण, लोकगीत, लोकनाट्य लोककथा, लोकनृत्य, लोकगीत :– स्वरूप एवं भेद, लोकगीत की विशेषता, लोकनाट्य के भेद, लोकनाट्य की विशेषता, लोकगाथा के भेद एवं विशेषता, लोक नृत्य का स्वरूप और विशेषता, मुहावरा–स्वरूप एवं विशेषता, पहेलियों का स्वरूप एवं विशेषता

व्याख्या के पुस्तक :–

1. मगही संस्कार गीत–गीत संख्या – 1 से 15 तक
2. भोजपुरी संस्कार गीत–गीत संख्या – 1 से 15 तक
3. मैथिली संस्कार गीत–गीत संख्या – 1 से 15 तक

अंको का विभाजन

समय –3 घंटे **पूर्णांक– 80**

क– आलोचनात्मक प्रश्न	–	3X12 =36 अंक
ख– लघु उत्तरीय प्रश्न	–	2X08 =16 अंक
ग– व्याख्यात्मक प्रश्न	–	1X08 =08 अंक
घ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	2X10 =20 अंक
	कुल अंक	– 80

नोट– यू० जी० सी० के निर्देशानुसार 20 अंक साक्षात्कार (मौखिकी) के लिए निर्धारित किए गये हैं।

L=kuqlkj

ikB~;dze

¼Lukrd½

fgUnh jpuk

vfuok;Z

Lukrd izFke o"kZ

fgUnh jpuk ¼lkekU; fgUnh½ fgUnh Hkkf"k;ksa ds fy, vfuok;Z

100 vad

fu/kkZfjr ikB~; iqLrdsa & dfork&dkuu & laŒ MkWŒ nsonÙk jk;

ikB~;ka'k

1. fo|kifr & cM+ lq[k lkj ikvksy rqv rhjs] uo o`ankou] uo uo r: xuA
2. dchj & dkSu Bxok uxfj;k ywVy gks] Hkxfr fcuq fcjFks tue x;ksA
3. lwjnkl & ful fnu cjlr uSu gekjs] Å/kks] eksfg czt fcljr ukfgaA
4. rqylh & eu iNrbgsa volj chrs] ;g fourh j?kqoh xkSlkbZA
5. fcgkjh & fuEufyf[kr nksgs %&

   Ukfga ijkx ufg e/kqj e/kq] i=kgha frfFk ikb;S] fpjthokS tksjh tqjS D;ksa]

   djh fcjg ,slh rÅ] eksgu ewjfr L;ke dhA

   dud&dud rSa lkSxquh] R;ksa R;ksa l;klsbZ jgr] v/kj /kjr gfj dSa ijr]

   dgykus ,dr clr] leS leS lqanj lcSA
6. jl[kku & [katu uSu Q¡ns fiatjk] dkUg Hk;s cl ck¡lqjh dsA

vFkok

lkfgR;/kkjk & laŒ MkWŒ f'kokth ukys@ MkWŒ bjs'k Lokeh&izdk'kd&vksfj,aV ykaXeSu] iVuk

i| & dchj] jghe] fcgkjh] eSfFkyh'kj.k xqIr] jke/kkjh flag *fnudj^

x| & izsepan ¼dQu½] fpjathr ¼v[kckjh foKkiu½] gfj'kadj ijlkbZ ¼le; dkVus

okys½] jkeo`{k csuhiqjh ¼cqf/k;k½] egknsoh oekZ ¼lfc;k½

fuca/k & ¼Nk=&thou] jktuhfr] izd`fr] egkiq:"k] ;q) 'kkafr] jktxkj] f'k{kk&i}fr

[ksy] pyfp=] jsfM;ks] foKku] lkfgR; vkfn ls lacaf/kr½

oLrqfu"B iz'ku & fgUnh jpuk ds ikB~;dze ij vk/kkfjr gksaxsA

अंको का विभाजन

समय –3 घंटे		**पूर्णांक– 100**
क– पाठ्य पुस्तकों से आलोचनात्मक प्रश्न	– 3X12 =36 अंक	
ख– पाठ्य पुस्तकों से व्याख्यात्मक प्रश्न	– 3X08 =24 अंक	
ग– निबन्ध	– 1X15 =15 अंक	
घ– व्याकरण	– 3X05 =20 अंक	
ङ– वस्तुनिष्ठ	– 10X1=10 अंक	
	कुल अंक – 100	

नोट– यू० जी० सी० के निर्देशानुसार 20 अंक साक्षात्कार (मौखिकी) के लिए निर्धारित किए गये हैं।

Lukrd izFke o"kZ

IkekU; fgUnh ¼fgUnh jpuk½ vfgUnh Hkkf"k;ksa ds fy,

¼dyk] foKku vkSj okf.kT; ds fo|kfFkZ;ksa ds fy, vfuok;Z½

vad & 50

fu/kkZfjr xzaFk

dkO;& ek/kqjh

1- dchj

1- xq: xksfoan rkS ,d gSa 2- lrxqj esjk lwfjcka 3- ikalk idM+k izse dk 4- pdbZ fcNqjh jSu dh 5- fcjg Hkqoaxe ru clS 6- cgqr fnuu dh tkscrh 7- ;gq ru tkjkSa efl djkSa 8-ijofr ijofr eSa fQjk 9- eu eFkqjk fy }kfjdk 10- dchj ygfj lean dhA

2- rqylh

1- eu iNrngsa volj chr 2- dslo! Dfg u tkb dk dfg;sA

3- jghe &

1- tks *jghe^ vksNks c<+S 2- *jfgue^ lw/kh pky lksa 3- tks cM+su dks y?kq dgkS 4- dfg ^jghe* laifr lxs 5- ts *jghe^ fof/k cM+ fd, 6- /kfu *jghe^ ty iad dks 7- *jgheu^ Oks uj ej pqds 8- ikol nsf[k jghe eu 9- eku lfgr fo"k [kk;ds 10- dnyh] lhi] Hkqtax&eq[k 11- [kSj] [kwu] [kk¡lh] [kqlhA

4- HkjrsUnq & Hkkjr&nqnZ'kkA

5.माखनलाल चतुर्वेदी – पुष्प की अभिलाषा

6. सुभद्रा कुमारी चौहान – बचपन।

7. पं० रामनरेश पाठक – हम न बोलेंगे।

अथवा

हिन्दी गद्य पद्य संग्रह – सं० डा० दिनेश प्रसाद सिंह – प्रकाशक–ओरिएंट लौंगमैन प्राइवेट लिमिटेड, पटना।

काव्य – कबीर, र।दास, सूरदास, तुलसीदास, रहीम, भारतेन्दु

गद्य – सद्गति (प्रेमचंद), नाखून क्यों बढ़ते हैं (हजारी प्रसाद द्विवेदी), बाबर की ममता (देवेन्द्रनाथ शर्मा), ठेले पर हिमालय(धर्मवीर भारती), रूपा की आजी (बेनीपुरी)

व्याकरण की रचना –

पाठ्यांश – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय, लिंग, वचन, प्र्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, मुहावरे, लोकोक्तियाँ, वाक्य–संशोधन।

अंको का विभाजन

समय –1:30 घंटे **पूर्णांक– 50**

क– पाठ्य पुस्तकों से प्रश्न	– 2X10 = 20 अंक
ख– निबन्ध	– 1X15 = 15 अंक
ग– व्याकरण एवं रचना	– 3X05= 20 अंक
	कुल अंक– 80

Lukrd izFke o"kZ
vad& 100
¼dyk] foKku ,oa okf.kT;½
fgUnh mÙkh.kZ ¼ikl dkslZ½ rFkk vkuq'kfxd ¼lfClfM;jh½ oxZ

fu/kkZfjr xzaFk%&

1- dkO; dqlqe & laŒ MkW jke'kDy fcan&

ikB~;ka'k %&

1. fo|kifr
2. ek/ko dr rksj djc cM+kbZ 2- rkdr lSdr okfj fcanq le 3- lf[k gs gej nq[kd ugha vksj 4- vk,y fjrqifr jkt clar 5- d[ku gjc nq[k eksjA

2-lwjnkl

1- pj.k dey cankS gfj jkbZ 2- izHkq esjs voxqu fpr u /kjkSa 3- tlksnk gfj ikyus >qykoS 4- dj ix xfg v¡xqBk eq[k esyr 5- fujxqu dkSu nsl dks cklh 6- vk¡f[k;k gfj njlu dh Hkw[khA

3-rqylhnkl

1- vo/ks'k ds }kjs ldkjs 2- dcg¡w lfl ek¡xr vkfj djS 3- oj nar dh iaxfr dqan dyh 4- cSBh lxqu eukor ekrk 5- eu iNrbgas volj chrsA
2- x| lfjr~ & ¼dgkuh] fuca/k] laLej.k] js[kkfp=u½ laŒ MkWŒ lquhy dqekj

x|%& fu/kkZfjr xzaFk

x| lfjr

dgkuh & mlus dgk Fkk ¼ panz/kj ''kEkkZ xqysjh½] dgkuh dk lykWV ¼vkpk;Z f'koiwtu lgk;½] ve`rlj

vk x;k gS ¼Hkh"e lkguh½ dkyk jftLVj ¼jfoUnz dkfy;k½

fuca/k & ¼d½ mRlkg & vkpk;Z jkepanz 'kqDy
¼[k½ f'kjh"k ds Qwy & gŒ izŒ f}osnh
¼Xk½ yadk dh ,d jkr & dqcsjukFk jk;

laLej.k ,oa js[kfp= %& ?khlk & egknsoh
lqHkku [kk¡ & csuhiqjh

अंको का विभाजन

समय –3 घंटे **पूर्णांक– 100**

क– आलोचनात्मक प्रश्न – 3X15 =45 अंक
ख– व्याख्यात्मक प्रश्न – 3X10 =30 अंक
ग– लघु उत्तरीय प्रश्न – 3X05 =15 अंक
घ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10X1 =10 अंक

कुल अंक – 100

Lukrd [kaM & 2
vad&100
IkeU; fgUnh ¼fgUnh jpuk½
¼dyk] foKku] okf.kT; ds mÙkh.kZ ikI
,oa izfr"Bk nksuksa oxkZs ds fo|kfFkZ;ksa ds fy, vfuok;Z½

ikB~xzaFk %

1- dq:{ks= & fnudj
vFkok
;'kks/kjk & eSfFkyh'kj.k xqIr
2- v{k;oV & MkŒ HkwisUnz dylh

ikB~;ka'k &

1- ;K & egkRek xk¡/kh
2- gekjk lkaLd`frd iru
3- nf{k.k xaxk xksnkojh
4- lIrlkxj egknku
5- vktknh ds ckn Hkkjrh; foKku
vFkok

x|izokg & laŒ MkWŒ fot; dqyJs"B ;qfuofIZVh cqd gkml] t;iqj

ikB~;ka'k &

¼d½ O;aX; % ewY;ksa dk myVQsj & gfj'kadj ijlkbZ

¼[k½ fjikrkZt % eqfDr ;ks)kvksa ds f'kfoj esa & fo".kqdkar 'kkL=h

¼x½ i= lkfgR; % bfrgkl ds f'k{kk & iaŒ tokgjyky usg:

¼?k½ oSKkfud fuca/k % lk;kZoj.k vkSj lukru n`f"V& Nxuyky esgrk

¼M+½ yfyr&fuca/k % gYnh&nwc vkSj nf/k vPNr & fo|kfuokl feJ

अंको का विभाजन

समय –3 घंटे **पूर्णांक– 80**

क– आलोचनात्मक प्रश्न	– 3X15 =45 अंक
ख– व्याख्यात्मक प्रश्न	– 3X10 =30 अंक
ग– लघुउत्तरीय प्रश्न	– 03X05=15 अंक
घ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10X01=10 अंक
	कुल अंक – 100

Lukrd f}rh; [kaM

vad&50

¼fgUnh jpuk½

mÙkh.kZ ¼ikl½ ,oa izfr"Bk nksuksa oxksZ ds fo|kfFkZ;ksa ds fy,

¼dyk] foKku] okf.kT; ds vfgUnh Hkk"kkvksa ds fy, vfuok;Z½

ikB~;ka'k %&

1- fofo/kk & laŒ MWkŒ ftrsUnz oRl

ikB~;ka'k %

1-	vyksihnhu	& egknsoh oekZ
2-	dchj lkgc ls HksaV	& jke/kkjh flag *fnudj^
3-	vkRedFkk	& vkpk;Z dgkohj izlkn f}osnh
4-	bZnxkg	& izsepan
5-	eqxyksa us lYrur c['k ng vFkok	& Hkxorhpj.k oEkkZ

fgUnh x|&i| laxzg & laŒ fnus'k izlkn flag] izdk'ku&vksfj,aV CySdLokWu] iVuk

ikB~;ka'k %&

x| [kaM &

¼d½ <qykbZ okyh & cax efgyk

¼[k½ cM+s ?kj dh csVh & izsepan

¼x½ [kwu dk fj'rk& Hkh"e lkguh

Ik| [kaM &

¼d½ nksusa vksj izse iyrk gS & eSfFkyh'kj.k xqIr

¼[k½ ys py ogk¡ cqykok nsdj& izlkn

¼x½ eqj>k;k Qwy & egknsoh

¼?k½ lej'ks"k gS & egknsoh

O;kogkfjd fgUnh jpuk esa iBuh; &

Lak{ksi.k] iYyou] i=&ys[ku] vk'k;&ys[ku] okD;&la'kks/ku] 'kCn&;qXeksa esa varj

अंको का विभाजन

समय –1:30 घंटे **पूर्णांक– 50**

क– आलोचनात्मक प्रश्न – 2X15 =30 अंक

ख– व्यावहारिक हिन्दी रचना– 2X05 =10 अंक

ग– वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10X01=10 अंक

कुल अंक – 50

Lukrd f}rh; [kaM

fgUnh jpuk

vad & 100

¼dyk] foKku] vkSj okf.kT; ds ijh{kk ds fy, vfuok;Z½

mÙkh.kZ ¼ikl½ ,oa vkuq"kafxd ¼lfClfM;jh½ ¼dFkk lkfgR; ,oa ukV~; fo/kk,¡½

ikB~; iqLrdsa &

1- miU;kl & iq:"k vkSj ukjh & jktk jkf/kdkje.k izlkn flag
2- ukVd & us=nku & jkeo`{k csuhiqjh
3- izfrfuf/k ,dkadh & laŒ MkWŒ ftrsUnzukFk ikBd@MkWŒ IR;sanz flag] izŒ lat; cqd lsUVj

okjk.klh

¼d½ fodzekfnR; & MkWŒ jkedqekj 'kekZ

¼[k½ Ålj & Hkqous'oj

¼x½ u;s esgeku & mn;'kadj HkV~V

¼?k½ y{eh dk Lokxr & misUnzukFk v'd

¼M+½ usg: dh olh;r & fo".kq izHkkdj

¼p½ jh<+ dh gM~Mh & txnh'kpanz ekFkqj

dFkkdsrq & laŒ MkWŒ lw;Znso flag] MkWŒ fo'oukFkjke

ikB~;ka'k %&

cM+s ?kj dh csVh & izsepan

nks ck¡ds & Hkxorhpj.k oEkkZ

eyos dh ekfyd & eksgu jkds'k

iapykbV & Q.kh'ojukFk js.kq

nksigj dk Hkkstu & vejdkar

अंको का विभाजन

समय –3 घंटे **पूर्णांक– 100**

क– आलोचनात्मक प्रश्न – 3X15 =45 अंक
ख– व्याख्यात्मक प्रश्न – 3X10 =30 अंक
ग– लघु उत्तरीय प्रश्न – 3X05=15 अंक

घ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न — 10X01=10 अंक

कुल अंक — 100